

कुलपतियों को कुलाधिपति ने भेजे बारह सूत्रीय विस्तृत दिशा-निर्देश

उच्च शिक्षा की उत्कृष्टता के लिए 12 सूत्र

उच्च शिक्षा के लिए 12 सूत्र

1. शोध कार्यों में गुणवत्ता
2. पाठ्यक्रमों की समीक्षा
3. बायोमैट्रिक उपस्थिति
4. विद्यार्थियों की उपस्थिति
5. प्लास्टिक मुक्त एवं हरा-भरा स्वच्छ परिसर
6. स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था
7. गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत
8. छात्रावास
9. अकादमिक एवं अवकाश कलैण्डर।
10. महात्मा गांधी जी की 150वीं जयन्ती पर समारोह के आयोजन
11. स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव की प्रभाव अध्ययन रिपोर्ट
12. स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव में तालाब निर्माण एवं जल संरक्षण के प्रभाव एवं मूल्यांकन का अध्ययन

जयपुर, 4 जुलाई। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता लाने के लिए 12 सूत्रीय विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये हैं। राज्यपाल श्री सिंह ने इन बारह सूत्री कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों में अध्ययन-अध्यापन के साथ सामाजिक, पर्यावरण संरक्षण और छात्र-छात्राओं में व्यवस्थित जीवन शैली के संस्कार बीजारोपित करने पर विशेष बल दिया है। इस आशय का एक परिपत्र बुधवार को राजभवन से राज्य के सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को भेजा गया है।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा है कि विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम समीक्षा समितियों की नियमित बैठकें आयोजित की जायें। उन्होंने कहा है कि पाठ्यक्रम अद्यतन किये जायें। पाठ्यक्रम समीचीन एवं सीखने की अभिरुचि की ओर प्रेरित करने वाले होने चाहिए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों के लिए शंका निवारण सत्र (Doubt Session) का आयोजन नियमित रूप से किये जाने पर जोर दिया है। राज्यपाल ने शोध कार्यों की गुणवत्ता के लिए शोधपत्रों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन को मानक माना है।

कुलाधिपति श्री सिंह ने बायोमैट्रिक पद्धति से शैक्षणिक व अशैक्षणिक कार्मिकों की उपस्थिति को दर्ज किये जाने की गहन समीक्षा करने एवं उस पर सतत निगाह रखने के निर्देश भी कुलपतियों को दिये हैं। उन्होंने कहा है कि बायोमैट्रिक से उपस्थिति दर्ज न करने वाले कार्मिकों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये। राज्यपाल ने विद्यार्थियों की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के लिए डाक/ई-मेल/एस.एम.एस./वेबसाईट के माध्यम से अभिभावकों को सूचना देने की व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर बल दिया है।

राज्यपाल श्री सिंह ने विश्वविद्यालयों के परिसरों को प्लास्टिक मुक्त, हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाने के लिए कहा है। उन्होंने वर्षा ऋतु में विश्वविद्यालयों और सम्बद्ध महाविद्यालयों में सघन वृक्षारोपण करवाये जाने की आवश्यकता जताई है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत परिसर को स्वच्छ व साफ-सुथरा रखने, विश्व पर्यावरण दिवस की थीम "बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन" के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक को तात्कालिक प्रभाव से निषेध करने के आदेश श्री सिंह ने दिये हैं।

जल संरक्षण पर बल देते हुए राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के समस्त भवनों एवं सम्पूर्ण परिसर का आछादन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम से किये जाने की बात कही है। परिसर में स्वच्छ पेयजल हेतु वाटर प्यूरीफायर, आर.ओ. और वाटर कूलर की स्थापना तथा उचित संधारण की व्यवस्था के निर्देश भी कुलाधिपति श्री सिंह ने कुलपतियों को दिये है।

राज्यपाल ने कहा है कि विश्वविद्यालय अपने परिसर में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों से अपनी विद्युत सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सौर/पवन ऊर्जा की स्थापना करें। उन्होंने कहा है कि छात्रावासों में अनाधिकृत रूप से रह रहे व्यक्तियों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जावे। राज्यपाल ने मैस में भोजन की पौष्टिकता, निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्ता व हाईजिन के उत्तम मानकों का पालन करने के लिए कुलपतियों का विशेष रूप से ध्यानाकर्षण किया है।

कुलाधिपति श्री सिंह ने महिला छात्रावासों में महिला वार्डन नियुक्त कर वहाँ सुरक्षा एवं भयमुक्त वातावरण की सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा है कि कुलपति छात्रावासों का औचक निरीक्षण करें और विद्यार्थियों को व्यवस्थित जीवन शैली के लिए भी प्रेरित करें। कुलाधिपति ने राजभवन द्वारा जारी अकादमिक एवं अवकाश कलैण्डर की अक्षरशः पालना की अपेक्षा कुलपतियों से की है। महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर विश्वविद्यालयों को सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए कुलाधिपति ने बहुमूल्य सुझाव परिपत्र में कुलपतियों को दिये हैं।

स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव के अन्तर्गत विश्वविद्यालयों द्वारा गोद लिये गांवों में ग्रामवासियों के जीवन स्तर में आए परिवर्तन/सुधार के सम्बन्ध में इम्पैक्ट एसेसमेन्ट कराने के लिए कुलाधिपति ने कहा है। राज्यपाल ने कहा है कि वरिष्ठ प्रोफेसर्स एवं छात्र-छात्राओं को वर्ष में दो बार गांवों के भ्रमण पर भेजा जाए। गोद लिये गांवों में वर्षा ऋतु के दृष्टिगत तालाब निर्माण की क्षमता में बढ़ोतरी अथवा नये तालाब के निर्माण की आवश्यकता का आंकलन कर उसे क्रियान्वित करने के लिए भी राज्यपाल ने कहा है। कुलाधिपति ने कुलपतियों को सुझाव दिया है कि तालाब की मिट्टी का कॉम्पेक्शन किया जाए तथा वन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग एवं मनरेगा की गाईडलाइन्स के अनुसार काम को प्राथमिकता के आधार पर अंजाम दिया जाए।

12 सूत्रीय योजना के क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग की चाक-चौबन्द व्यवस्था भी राज्यपाल ने की है। उन्होंने कुलपतियों को औचक निरीक्षण करने व टीम गठित कर योजनाओं को क्रियान्वित करने के सख्त निर्देश दिये हैं। समस्त बिन्दुओं पर रिपोर्ट प्रत्येक माह की 30 तारीख तक राजभवन प्रेषित करने के निर्देश कुलाधिपति ने दिये है। कुलाधिपति इस 12 सूत्रीय कार्यक्रम को लेकर गम्भीर है। उन्होंने इन 12 सूत्रों को कुलपति समन्वय समिति की बैठक में स्थायी रूप से शामिल कराया है। उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने राज्य में पदभार संभालने के बाद से ही गहन प्रयास किये हैं। उनके प्रयासों के सकारात्मक परिणाम भी आए हैं।

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क)
राज्यपाल, राजस्थान